Gin Gin Ke Stuti Karu Lyrics

गिन गिन के स्तुति करूँ,
बेशुमार तेरे दानों के लिये,
अब तक तूने संभाला मुझे,
अपनी बाहों में लिये हुए

तेरे शत्रु का निशाना,
तुझ पर होगा ना सफलगिन
गिन के स्तुति करूँ,
बेशुमार तेरे दानों के लिये,
अब तक तूने संभाला मुझे,
अपनी बाहों में लिये हुए

तेरे शत्रु का निशाना,
तुझ पर होगा ना सफल
आँखों की पुतली जैसे,
वो रखेगा, तुझे हर पल
गिन गिन के स्तुति करूँ,

आँधीयाँ बन के आयें,
जिन्दगी के फ़िकर,
कौन है तेरा खेवनहारा,
है भरोसा तेरा किधर
गिन गिन के स्तुति करूँ,

eAstroHelp
Your Astrology Helpline

आये जो तुझको मिटाने,
वो शस्त्र हों बेअसर,
तेरा रचने वाला तुझपर,
रखता है अपनी नज़र
गिन गिन के स्तुति करूँ,
आँखों की पुतली जैसे,
वो रखेगा, तुझे हर पल
गिन गिन के स्तुति करूँ,

आँधीयाँ बन के आयें,
जिन्दगी के फ़िकर,
कौन है तेरा खेवनहारा,
है भरोसा तेरा किधर
गिन गिन के स्तुति करूँ,

आये जो तुझको मिटाने,
वो शस्त्र हों बेअसर,
तेरा रचने वाला तुझपर,
रखता है अपनी नज़र
गिन गिन के स्तुति करूँ

eAstroHelp
Your Astrology Helpline